

GOPAL BANSIWALA S P HOUSE

بالک اوستھا

वालक अवस्था

فاضل کاشمیری

FAZIL KASHMIRI

بالک اوستھا

बालक अवस्था



(Krishna Leela)

از :-

فاضل کاشمیری

(FAZIL KASHMIRI)

۱۔ ٹائیٹل :۔ بالک اوستھا
۲۔ مصنف :۔ فاضل کاشمیری
۳۔ کتبہ :۔ ا۔ اردو رسم خط : فاضل کاشمیری
ب ہندی ، : پرتھوی ناتھ سائل
۴۔ صفحات :۔ ۱۱۲
۵۔ ہدیہ :۔ RS3/-

مطبوعہ:۔ گلفشں پریس سرینگر

ملنے کا پتہ :۔

FAZIL KASHMIRI

R/o DAB TAL, SRINAGAR-2, KASHMIR. 190002.



"بالک اوستھا" کا یہ تیسرا ایڈیشن

بحسنِ سعی

شری دھرم ویر بترہ

چھپ گیا۔



بانسرِ تُل

ژیرٕ میکٕ تہٕ لوُلک مُجسّم مُجسّم - فِدا چھی ژٕرے کرٕم کرٕم ورا بانسرِ تُل

बान्सरी तुल

च़ प्रेयमुक लुलोलुक मुज्ज सुम मुजसुम

फ़िदा ही छे क्रम क्रम : ज़रा बांसरी तुल

کرشن کہانی

از قلم مہاتما مانس کِنکر کوشل کشور داس (چترکوٹ، یو-پی-انڈیا)
تحریر:- کماری متھلیش شرما، ایم-اے-(ہاپوڑ، ضلع غازی آباد،،)
پڑتال:- کماری انجنا، ایم-اے-، بی-ایڈ-(،، ،، ،، ،،)

कृष्ण कहानी

उग्रसेन और देवक दो भाई थे। उग्रसेन मथुरा के राजा थे उनका पुत्र कंस था। देवकी देवक की कन्या थी छोटी बहिन होने के नाते कंस देवकी को अत्यन्त स्नेह करता था। देवकी को विवाह योग्य हुई देखकर सर्व-गुण सम्पन्न शूरसेन के पुत्र वसुदेव के साथ देवकी का विवाह स्थापित कर दिया। कंस को देवकी के विवाह की अत्यन्त खुशी थी उसने देवकी को दहेज में बहुत धन दिया और अधिक स्नेह होने के कारण से कंस देवकी को स्वयं रथ में बैठाकर विदा करने गया जिस समय कंस देवकी को विदा कर रहा था उसी समय आकाशवाणी हुई कि हे! राजा कंस जिस बहिन को तू इतना स्नेह करता है उसी का आठवाँ पुत्र तेरा काल

होगा। जब कंस ने इस प्रकार सुना तो वह आश्चर्य में पड़ गया कि यह क्या कहा तो फिर वही आकाश-वाणी पुन: हुई सुनकर कंस को बड़ा क्रोध आया तब कंस ने सोचा कि इसके गर्भ से ही वह आठवां पुत्र जन्म लेगा, अत: इसी को मार दूँ जब ये ही नहीं रहेगी तो फिर पुत्र कहाँ से होगा, ऐसा सोचकर कंस ने देवकी के केश पकड़ कर उसको मारने के लिए तलवार म्यान से निकाली जैसे ही मारनेको तैयार हुआ, वसुदेव ने कंस का हाथ पकड़ कंस से प्रार्थना की कि यह स्त्री है, अबला है, आपकी बहिन है फिर नवविवाहिता है अत: आप इसको न मारें। इस के जो पुत्र होंगे उन्हे हम आपको सौंप देंगे। जब देवकी के प्रथम पुत्र उत्पन्न हुआ तो वसुदेवजी कहे अनुसार उस पुत्र को कंस के पास ले गये तो उसे देखकर कंस को दया आ गई तभी नारदजी वहाँ आये और कहा कि राजन आप इसे छोड़ते क्यों हैं। देवताओं की वाणी जानी नहीं जाती पता नहीं कौन सा पुत्र आठवाँ हो जावे फिर कमल के फूल की पखु-रियों को आगे पीछे से गिनवाया जिससे आठवीं संख्या पहले और बाद में दोनों तरफ हो जाती थी। इस प्रकार

कंस के हाथों छः पुत्रों को वसुदेव जी देते रहे। देवकी के सातवें गर्भ में शेषनाग भगवान थे। उनको देवताओं ने अपनी योगमाया से रोहिणी के गर्भ में पहुंचा दिया। रोहिणी वसुदेव की ही पत्नि थी वसुदेवजी कंस के कारागार में देवकी के साथ बन्दी थे इस लिये उन्होने अपने मित्र नन्दजी के यहाँ गोकुल में रोहिणी को रहने को भेज दिया था। अब आठवें गर्भ में जब जगदाधार प्रभु के अवतरित होने का समय आया तब कंस ने अत्यधिक कड़ा पहरा लगा दिया। जब प्रभु अवतरित हुये तो उस समय पहरेदारों को नींद आ गई। प्रभु देवकी के सामने चतुर्भुजी रूप में प्रकट हुये तब देवकी ने उनसे शिशु के रूप में बनने की प्रार्थना की प्रभु छोटे बालक बन गये। भगवान ने उनसे कहा कि हमें गोकुल में नन्दजी के यहाँ पहुँचा दो और वहाँ उन के यहाँ कन्या उत्पन्न हुई है उसको यहाँ ले आओ वसुदेव जी के हाथों में पड़ी बेड़ियां खुल गई समस्त द्वारों में पड़े ताले स्वयं खुल गये सब पहरेदार गहरी नींद में सो गये जब श्री कृष्ण को लेकर वसुदेव चले तो उस समय वर्षा बहुत जोरों से हो रही थी इसलिये शेषनाग

ने अपने फन फैलाकर भगवान के ऊपर छत्रछाया कर दी उस समय यमुना का जल ऊपर तक बढ़ आया तब भगवान ने उनका भाव समझकर सूप से अपना पैर निकाल कर स्पर्श कराया। यमुना जी चरण स्पर्श कर के प्रसन्न हो गई और उन्हे मार्ग दे दिया। वसुदेव जब गोकुल पहुँचे तो वहाँ नन्द जी घर सब सो रहे थे। अवसर पाकर वसुदेव जी ने माता यशोदा के पास कृष्णजी को लिटा दिया और कन्या को उठा लिया और मथुरा आकर देवकी को दे दिया कारागार में पहले की ही भाँति ताले पड़ गये। कन्या का रुदन सुनकर सब पहरेदार जाग गये। खबर पाते ही कंस वहाँ आया कन्या को देखकर उसने सोचा ये तो कन्या है पुत्र बताया था किन्तु तभी देवताओं की माया का विचार आते ही ज्योंही कन्या को पृथ्वी पर पटकने के लिये उठाया वह हाथ में से आकाश में उड़ गई और बोली अरे! राजा कंस तू मुझे काहे मारता है तेरे मारने वाला तो गोकुल में पैदा हो चुका है। कंस ने दरबार में आकर मन्त्रियो को यह समाचार सुनाया तो सबने कहा यह तो हमारे बाऐं हाथ का खेल है हम उस बालक का पता लगा कर अभी काम तमाम कर देते हैं तब कंस ने बहुत से

निशाचरों को कृष्ण के मारने के लिये गोकुल भेजा लेकिन वे स्वयं ही काल का ग्रास बन गये जो भी जाता उसको वापिस न आते देख कंस ने पूतना को बुलाया उसने कहा मैं जितने गोकुल में बच्चे हैं सबको खाऊंगी इससे कंस बहुत प्रसन्न हुआ। पूतना अपने स्तनों में विष लगा कर गोकुल में आई। वहाँ सब बच्चों को खाती हुई जब नन्द भवन में आई तो बहुत सुन्दर गोपी का रूप बना लिया और यशोदा से कहा मैं लाला की बधाई लेकर आई हुँ तथा कृष्ण जी को अपनी गोद में ले लिया। यशोदा जी गृह में अन्य कार्य में लग गई पूतना ने विषलगे स्तनों को भगवान के मुँह में डाला तब प्रभु ने दूध के साथ उसके प्राणों को भी पी लिया। इस प्रकार शकटासुर, बकासुर, नरकासुर इत्यादि अनेकों राक्षसों का संहार किया। भगवान कंस को भी पहले ही मार सकते थे लेकिन इन राक्षसों को भी मारना था अतः कंस उन्हे वहाँ भेजता और प्रभु खेल-खेल में उन्हे मार देते थे। भगवान की माखन लीला में राजनीति थी क्योंकि ब्रज से सब माखन भुगतान रूप में कंस को भेजा जाता था। भगवान ने सोचा इससे शत्रु को बल मिलता है वहाँ नहीं जाना चाहिये। दूसरे गोपियों का

उनपर बहुत स्नेह था जिस दिन कृष्णजी उनके घर नहीं जाते तो उस दिन वे रो-२ कर पुकारती थी और आने पर माखन खिलाती। भगवान प्रत्येक कार्य लीला द्वारा करते थे। एक बार घर में माखन की मटकी फोड़ दी यशोदाजी ने ऊखल से बाँध दिया भगवान ने ऊखल को तिरछा करके यमलार्जुन का उद्धार किया। जब कंस को बहुत दिन होगये तब नारदजी ने आकर कहा कि आप इन दोनों बालकों को धनुष यज्ञ के बहाने बुलाओ और ३ करोड़ कमल के पुष्प लाने को कहो। कंस ने अक्रूर को दोनों बालकों को लेने के लिए भेजा और आज्ञा दी कि यदि इतने पुष्प नहीं भिजवाये तो सारे गोकुल को यमुना जी में बहा देंगे। अक्रूर जी ने सब समाचार नन्द जी को सुनाया। माता यशोदा ने कृष्ण से कहा कि आज दूर खेलने मत जाना। लेकिन प्रभु ने सब सखाओं को साथ लेकर यमुना किनारे गेंद का खेल शुरू कर दिया। जब भगवान के पास गेंद आई तो उन्होंने यमुना में फैंक दी और फिर स्वयं भी उसमें कूद पड़े। वहाँ कालियानाग को नाथ उसके फन पर नृत्य किया और उसी पर ३ करोड़ कमल के पुष्प लाद लिये। अक्रूर जी जब बलराम, कृष्ण को ले जाने लगे तो

समस्त ब्रज विरह में रो रहा था तब भगवान ने उनको समझाया कि हम जल्दी आयेंगे। मथुरा पहुँच कुवलया पीड़ हाथी का उद्धार किया। मल्ल युद्ध में अनेक मल्लों को धराशाही किया। अपनी माता देवकी का बदला लेने के लिये ऊपर बैठे कंस को केश पकड़ कर मार कर उसका उद्धार किया। वसुदेव, देवकी को मुक्त किया। कंस के पिता उग्रसेन को कारागार से निकाल कर उन्हे राजसिंहासन पर बैठाया। जरासन्ध अपने दामाद का बदला लेने के लिये सत्रह बार सेना लेकर आया भगवान ने सबका ही संहार किया। जब अठारहवीं बार उसने युद्ध किया तो भगवान द्वारका चले गये और रात भर में सब लोगों को द्वारका पहुँचा दिया और स्वयं एक पहाड़ी के पीछे से निकलकर कूद पड़े। जरासन्ध ने सोचा इतने ऊँचे से बचे नहीं होंगे और फिर पहाड़ी के चारों ओर आग लगवा दी फिर प्रसन्न मन से रहने लगा। उधर भौमासुर ने राजाओं की सोलह-हजार कन्याओं का अपहरण करके उन्हे बन्दी बनाया हुआ था उन्होने भगवान से प्रार्थना की तब प्रभु ने भौमासुर का बध करके उन्हे मुक्त किया फिर उनके

प्रार्थना करने पर उन्हे पत्नि रूप में स्वीकार किया। कौरव और पांडवो की आपस में शत्रुता थी। पांडव भगवान कृष्ण के भक्त थे। कौरवों ने जुये का प्रपंच रचकर इनको हरा दिया तथा सब कुछ दाँव पर लगवा दिया। भरी सभा में द्रौपदी को नग्न करना चाहा लेकिन भगवान ने साड़ी को इतना बढ़ाया कि स्वंय दुःशासन खींचते-२ हार गया। कभी जेल दिया, कभी लाक्षागृह में आग लगवाई, विष दिया किन्तु प्रभु सब तरह से उनकी रक्षा करते रहे। महाभारत के युद्ध में अर्जुन के सारथी बने युद्ध में जब अर्जुन को मोह हो गया तब उसे गीता का उपदेश दिया जरासन्ध को भीम के द्वारा मरवा दिया। अन्त में विजय पांडवो की हुई क्योंकि वे धर्म की लड़ाई लड़ रहे थे। हमेशा धर्म की विजय होती है। पांडवोको राज्य दिलाकर प्रभु द्वारिका आ गये। भगवान कृष्ण की लीला का वर्णन कहाँ तक किया जाये यह लेखनी का विषय नहीं है विस्तार से वर्णन श्री भागवत में है।

श्री मनसा शंकर
कौशल किशोर दास
चित्रकूट वासी

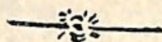
श्री कृष्ण
कुं० अंजना शर्मा
कं० ८.९९



पैगाम

پیغام

یکدِلی ہُندشہ گیوان چھے بانسرِ - یَس کَنَن گو وَننہ لوگ جے جے ہَری
مَن پوِتر یَس سَپُد بَس سُے چھُ شہ
کیاہ مُسلمانی کرِتھس کیاہ کافرِ



यकदिली हुंद शाह ग्यवान छय बांसरी
यस कनन गव वनुनि लोग "जय जय हरी"
मन पवितुर यस सपुद बस सुय छु शाह
क्या मुसलमांनी करथस क्या कांफिरी



جَے جَے !!

مَنس مَنز گرزان بانسرِ ہِنز ہوٗور ئے
یہ ئے بالہٕ کرشنا چھ چانی ژٕ رےٚ جےجَے !

یَرگہ آلوہٕ گو وَنَن مَنز پیاپےٚ
یہ چانی یَدہ نہرانِ ژٕ رےٚ جےجَے !

دودُک سَریہہ تہٕ امریت چھ کھاسَن بَرَان ئے
چھ اَتھ سَلسَبیلچ رَوانی ژٕ رےٚ جےجَے !

موکھس پلیٹھ گلاب پانہٕ پَرہمی ژٕ رےٚ چھے دَے
نہ کُنہہ چھے بَرابَر نہ ثانی ژٕ رےٚ جےجَے !

دُیِ کَم گژھتھ پانہٕ مَنزِل گژھان طے !
پہ گوہن گرَان پاسبانی ژٕ رےٚ جےجَے !

जय जय

मनस मंज़ अज़ान बांसंरी हुज़ मोंदुर लय
यि लय बालु कृष्णा के चांनी छ़े जय जय

पज़्युक आलुवाह गव वनन मंज़ पवापय
यि चांनी छे बेड मेहरबांनी छ़े जयजय

दौलुक सोह तु अमस्थ छे ख्वास्यनखान
के अथ सूंसंबीलु च स्वांनी छ़े जय जय

मोखस ब्यठ ओलाद पानु प्रेमीचे कुय दय
न कांह कुय बराबर न सोंनी छे जयजय

कुयी कम गंढिथ पानु मंज़िल मकान तय
यिमव गोंणं करान पासबांनी छ़े जयजय

नोट :— १—सोरयुक सर २—छै ख्युव
३— सिफ़त ४— रांछ



بالہِ کرشن یام دِژہم آگہی کر
پادِ گو ہر دس مے ذوقِ بندگی

بانسری ہند شہ چھ پرمہ آتما
بانسرِ ہنز کے چھ سازِ دلبری

بوزِ وُنی دوپ نسے خودی ہند روپ رنگ
اتھ خودی پیٹھ چھے فدا بیخودی

وُچھ امی مورلی حقیقۂ واش کوڈ
کوڈ امی ظاہر زِ اوتار گو نبی

یکدلی منز کر وسپان سورخ وسفید
فاصلا ! مورلی پنن رنگ قدرتی

بالک اوستھا

बाँसरी

बालकृष्णन याम दिच़नम आगंही
पांदु गव हृदुयस मंज़ौके बंदुगी

बांसरी हुंद शह छु प्रेयमुक आत्मा
बांसरी हुंज़ लय छे साज़े दिलबरी

बोज़वुन्य दोंपनय खोंदी हुंद रूप रंग
अथ खोंदी प्यठ छय फिदा लछ बेसोंदी

वुछ अमी मोरली हेकीकच़ वाश कोंड
कोंर अमी ज़ाहिर ज़ि अवतारगवनंची

यकदिली मंज़ कर व्यपान सुरखो सफेद
"फ़ाज़िला" मोरली पनुन रंग कोदरती

नोट:—१. जाग्रती, हास, २.—दिलस
३.— शोक़ —४.— हिशार

مئے کُن وُچھ



رادھا یہ ہٕری پیالہٕ ژٕرے گوپالہٕ! مئے کُن وِچھ!

اَز کالہٕ یِزٕہم سالہٕ دٕہ، لالہٕ مئے کُن وِچھ!

موٗرلی دِکٕنے شَہ تہٕ گُنَن پھیرِ پنُن رَنگ

بُلبُلہٕ ژٕرے کَرَن یوسمَنَن ہالہٕ مئے کُن وِچھ!

تَن فُھنُو تہٕ بُھتس جَلوہٕ اَچھن مِنجہٕ ڈٕبکس گَہ گَ

زَن سرِیہٕ ژٕرے موصوٗمہٕ کرِتھ نالہٕ مئے کُن وِچھ!

گوکُل بٕنِمتھ شامہٕ گَٹن ژھایہٕ وَندَے ژُو

باذم تہٕ خُفرہٕ آلہٕ جَھکے تھالہٕ مئے کُن وِچھ!

मे कुन वुछ

राधायि बेरी प्यालु च्चे गूपालु मे कुन वुछ
अज़ कालु यिज़्यम सालु दमाहलालु मेकुनवुछ

मोरली दि कुनुय शह तु गुलन फेरि फनुन रंग
बुलबुल च्चे करन यासुमनन मालु मेकुनवुछ

तन थंन्य तु वुथिस जलवु, अंकन सेहर वुथिस गाह
ज़न सिरियि च्चे मोखूमु करिथ हालु मेकुनवुछ

गोकल बे निमथ श्यामु गटन छायि वंदयज़ुव
बादम तु खंज़र आलु छकय धालु मेकुन वुछ

नोट :—

१. गाश—, २.-धालवथालव—(धालुसूत्य)

اَز چانہٕ کَلے ژھٲنہٕ وٕ ژھٔہے مَلرٕ بُرتھ چھِم !
داہَہ ژٕ اَگر چَکھ تہٕ بہٕ سنبھالہٕ مےٚ کُن وچھ !

دَروازٕ تھٲوِتھ وُچھِتھ تہٕ ژٕے پٕرہیتھ جاپہ کَرِتے زٕ دِل
بو خوٗنِ جِگر ہارِ شمع زالہٕ مےٚ کُن وچھ !

یوٚد لاگہٕ بَکرۍ دوٚر تہٕ ستِمے گیلہٕ مےٚ وُچھو وُچھ
کانٛہہ واپہ کَرُن چھُمنہٕ رَٹھتھ نالہٕ مےٚ کُن وچھ !

چھے دِگنہٕ گُنڈِتھ دُرۍ تہٕ ژٕے گوٗپی چھےٚ غزلخوان
زٕنِہہ ہرِنہٕ کھیلس منز تہٕ دِزِتھ ژھالہٕ مےٚ کُن وچھ !

کَم ہایہٕ چھُ چھ فاضل تہٕ سِری کرشنہٕ نظر تَل !
آسُن تہٕ نہٕ آسُن بہٕ ژٕے ہیتھ گالہٕ مےٚ کُن وچھ !

अज़ चानि कलै ठानु वछुथ मलरि बंरिथ छुम
दामाह त्रु अगर चख तु बं सम्बालु मेकुन वुछ

दरवाज़ु थवय वंट्य तु चे हर जायि करय ज़ूल
वो खूनि जिगर हारु शमह ज़ालु मेकुन वुछ

चोंद लागि वुकुयँ दोंर तु समय गेलि मेवुछ
काँह वायि करुन छुमनु रटथ नालु मे कुन वुछ

छय विगनि गंडिथ दयँ तु चे गूपी छि गज़ल खाँ
ज़ांह हरनु खेलिस मंज़ नु दिचुथ कालु मेकुन वुछ

कम मायि छु "फ़ाज़िल" तु श्री कृष्णु नज़र तुल
आसुन तु न आसुन बं चे पथ गालु मेकुन वुछ



سالہٕ ہیتو

کرٛشنہٕ گوپالہٕ ! دَاہ سالہٕ ہیتو! سِرِیہٕ میٚشالہٕ ! دَاہ سالہٕ ہیتو!

ہیانہٕ اَمارٕ ! چھ مُشکِل بےٚ لدٕرِٕجیٚ ووٚذٕ کوٚووٚ ژالہٕ ! دَاہ سالہٕ ہیتو!

اِنتِظارِی بیقرآرِی پٔژالیَس رَہ کُمسِس کھالہٕ ! دَاہ سالہٕ ہیتو!

اَنسرِی تُل زَن گَیتَن ہیتھ سَلسَبِیل اُسی بَرَو پیالہٕ ! دَاہ سالہٕ ہیتو!

ناز ظٔلمَن تھوٚو مَن سجاوِتھ لَبِس ژٕتےٚ کیٚت

از شُلی کالہٕ ! دَاہ سالہٕ ہیتو!

सालु यितो

कृष्णु गूपाल दमाह सालु यितो
सिरियि मीसालु दमाह सालु यितो

म्यानि अमारु! छु मुशकिल बे रुखी
वॊन्य कवो ज़ालु दमाह सालु यितो

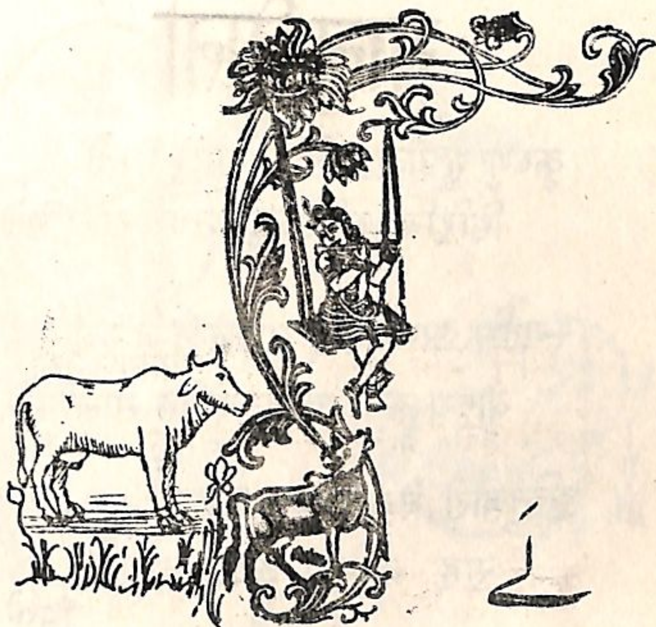
इन्तिज़ारी, बेकरारी प्रालबस[1]
राह कॆमिस खालु दमाह सालु-यितो

बांसरी तुल ज़न वसन हथ सलसॆबील[2]
अंस्य बरव प्यालु दमाह सालु यितो

"फ़ाज़िलन" थोव मन सजांविथ बसंज़ॆ क्युत
अज़ सुली कालु दमाह सालु यितो



नोट:— १. नसाब, तक़दीर २. स्वर्गुक सर।



لٲ

یام شَہہ دیت کرٛشنہٕ اوتارَن نٔئے ۔ "جے ہرؠ گوٗر زگتہٕ سَمسارَن وٲئے

اَز تہٕ زآنتھ[1] یا نہ زآنتھ گِہہ مبگہہ

کُلّ شیِ حَے[2] تھُوتھ کن نَنَتھ لَے[3]

نوٹ :- ع[1] زانتھ یا نہ زآنتھ = شعوری طور یا غآر شعورِی حالتس منز ۔

ع[2] کُلّ شیِ حَی = یہِ کینژھہ زِندٕ چھ ۔ زٕو ذات ، جاندار

ع[3] لَے = موٗرلی ہٕنز آواز = کرٛشنہٕ سٕنز موٗرلی ہُنٛد آلو ۔

लय

याम शह द्युत कृष्ण अवतारन नये
"जय हरी" कोर ज़गत सम्सारन दये
अज़ ति ज़ांनिथ या नं ज़ांनिथ गह बेगह
'कुलुशायुनहय' थविथ कन तथ लये



नोटः— 'कुलुशायनहय'— यि कें छ़ाह ज़िंदकु
गह बेंगह = कुनि कुनि विज़ि
लये = आवाज़ि



گُپالا!

گُپالا! پھولن گُل۔ ذَرا بانسرِ تُل!
ژٔے پیاراں چھ بُلبُل۔ ذَرا بانسرِ تُل!

ژٔہ پرٛیمُک تہ لولُک مُجسّم مُجسّم!
فِدا چھی ژٔے کَم کَم، ذَرا بانسرِ تُل!

نبَس پیٹھ سُلی کوٚر تمنّا سِتارو
قَدَم تھو، قَدَم تھو، ذَرا بانسرِ تُل!

ژٔے پَرتو مےٚ ترٛوُتھ، مگر ژھایہ ژھایے
گژِھس چھانہٕ بائے، ذَرا بانسرِ تُل!

نوٹ:۔ پرٛیم = محبّت پَرتو = جلوہ فِدا = قربان۔

बान्संरी तुल

गुपाला ! फोलन गुल, ज़रा बांसंरी तुल
च़े प्रारान छि बुल्बुल ,ज़रा बांसंरी तुल

न्र् प्रेयमुक तु लोलुक मुज्जसुम मुज्जसुम
फ़िदा छी च़े कम कम ! ज़रा बांसंरी तुल

नबस प्यठ सुलीकौंर तमन्ना सितारो
कदम थव कदम थव ज़रा बांसंरी तुल

च़े परतव मे न्रोवुथ मगर छायि छाये
गंजिस चानि माये ज़रा बान्संरी तुल

नोट :— 1.- कींरवान, 2.- यक़ा 3. जलव्

گٹن منز ہُرہ گو، ہنو گاشرٕ وُلی!

اُچھن ہیلتو مُلی، ذرا بانسرِ تُل!

یمن گوپین منز ژٕے مورلی دِتھ شہہ

تمو کوٗر دُئی لہٕ[2]، ذرا بانسرِ تُل!

ژٕہ بالک اوسُتھا[1] ژٕے شوبھا چھ عظمت[3]

ژٕہ زٕ گیچ حقیقت، ذرا بانسرِ تُل!

کٔشِش ہِش کٔشِش چھے ژٕے اتھ بالہٕ پانس

ژٕہ مرکز جہانس، ذرا بانسرِ تُل

داہ سانہ بہنو! مے تھوٗوے لِوتھ[4] دِل

چھُ فاضل ژٕے مائل، ذرا بانسرِ تُل!

نوٹ:- ؏۱ بالک اوسُتھا :- MOST EXCELLENT CHILD.

؏۲ لہٕ :- انکار ؏۳ عظمت = بجر ؏۴ لِوتھ = لِوِتھ ڈوٗتھ۔

गटन मंज़ हुरुथर गव यितो गाशारो वल्य
अंछन मेलतो मल्य, ज़रा बांसरी तुल

यिमन गूपियन मंज़ चे मौरली दितुथशह
तिमव कौर दुयी लौह, ज़रा बांसरी तुल

चे बालक अवस्था, चे शोबा छे अ मंथ
चु ज़गतुच हकीकत, ज़रा बांसरी तुल

केशिश हिश केशिश छय चे अथ बाल पानस
चु मरकज़ जहानस, ज़रा बांसरी तुल

दमाह सानि बेहतो, मे थोवमय लिविथदिल
छु 'फ़ाज़िल' चे मान्ल, ज़रा बांसरी तुल

नोट:—
१. इनकार (२) नजर

نوُرک آیہ



ہۆدم پان دٕلی سوٗنہ پوٚد مَس
مبشر پوٚز اوُس تہ انگ انگ ساز کورمَس
ووٚنس لیس اتی چھلیتھ ژھنیٚمَس کدوٗرت
تُلِتھ زٕنگاہ نوٗرک آیہ پوٚرمَس

نوٹ :۔ نوٗرک آیہ = سوٗرۂ نوٗر چھِہ قرآنِ مجیدُک اَکھ سوٗرۂ شریف ۔
کدوٗرت = ملالہ ۔ موٚد ۔ نفرت ۔



नूरुक आयि

बनोवुम पान मोरली सोज़ बोंरमस
मेंज़्युव ओसुस तु अंग अंग याज कोंरमस
वोंज़ुस यस निश छोंलथ कुन्यमस कूरथ
तुलिथ ज़ंगार नूरुक[1] आयि पोंरमस

1:- नूरुक आयि:-(सूरऐ नूरुक आयि, सूरऐ नूर छु कुरानि मंज़ॖक अख सूरऐ शरीफ़)



سُندر گیت

۱

اُلِہ ۔ نابَد ۔ ژیٖرِ ۔ بادَم چھیکیو

لولہِ بَرہ تیو کرٛشنہٕ لالو اَز ولو

دَرشنُک وٲنسَن میٚ رۄدُم آرِزو

لولہ بُرتیو

کرٛشنہٕ لالو اَز ولو!

ہم خوشنک ہۄدری تہ میٹھے میوٕ چھہ تاٹھس جانانس بَرٕ رژٕ وَنہ چھکنہٕ لیوان ـ

गीत

ऑलु, नाबद, चे़रु बादम केकुयो
लोलु वंर्यत्यो! कृष्णु लालो अज़ वोलो

दर्शनुक वांसि मे रूदुम
आरिज़ो
लोलु वंर्यत्यो
कृष्णु लालो अज़ वोलो



ہِہا تہٕ یُمبرزَل تہٕ جافرِی تےَ گُلاب
یاسمَن ، پمپوش ، وِری کُنبِہ ، آفتاب
ہیم دیَن کمرِ یادِ تیم گُل
لاگِہ یوٗ
لولہِ بُرتیو
کرشنہٕ لالو! اَز ولو

ہِیانہٕ دٲران سینہٕ کِن پنجرَن اندر
اَکھ دِلچ کوٗٹھر چھِہ پھٹشِرزَن کھنڈر
جانہٕ بایتھ چھَم لِوتھ تھوٗشِر
ہیٚے دو
لولہِ بُرتیو
کرشنہٕ لالو! اَز ولو

ही तु यंम्बुरज़ल तु जाफुर्य तय गुलाब
योसम्न, पम्पोश, विरिकेम्य तय आफताब
यिम दयन कर्य पाद गुल, तिम
लागुयो
लोलु — बंर्यत्यो
लोलु बंर्यत्यो! कृष्णु लालो अज़बोलो



म्यानि बारान सीनुक्यन पंजरन अंदर
अख दिलुच कूठर छे फुटमुच ज़न खण्डर
चानि बापथ छुम लिविथ थवमुच
मे दो
लोलु बंर्यत्यो
कृष्णु लालो! अज़ु बोलो।



नोट :— [1,2,3,4 — यिम छि पोशन हुन्य नाव]

سرِ یہٕ ہوکھ۔ ژندہٕ م ڈیکس تارُک جُرہِتھ
ہرنہٕ چشمن زن ژےٚ چھُے امرِت بُرہِتھ
دِل پھیو لیمٕ گاہے ژِنہٕ تھم
رو برو

لولہٕ برٕتیو
کرشنہٕ لالو! ازٕ ولو

—.—

چانہٕ ویرے گوکلکی منزل ژھنڈِم
وُنی دِتم جمنایہٕ بھٹی بُھٹی پے تھوم
دراصل چھُم بس مےٚ چونُے
جستجو

لولہٕ برٕتیو
کرشنہٕ لالو! ازٕ ولو

—.—

सिरियि मोख-चंन्द्रम ड्यकस तारख जंरिथ
हरनु चशमन ज़न ग्वें कुय अँमस्यथ बंरिथ
दिल फोल्यम गाहे च् बेहतम
रोबरो
लोलु बंर्यंत्यो !
कृष्णु लालो अज़ वोलो



चानि वेरे गूकलुक्य मंज़िल छंन्डिम
वंन्य छितिम अमनाथि बंठ्य बंठ्यपययथंविम
दर असुल कुमबस मेंचोनुय
जुस्तजूँ
लोलु बंर्यंत्यो !
कृष्णु लालो ! अज़ वोलो !!



नोट :—
(1) आबे हयात (2) - तलाश



گیٚنشیمس بالکس نِش نۆن شرٛان
ٲرٕپی چھا ! خۄد چھا ! اوتار اِنسان
اَچھِن وِنہٕ مَل ۔ ڈیٚکس ژٕندٕم یوٚگھس گہ
یہٕ وُ چھتھے کامہٕ دیوَس ہوش راوان



अवतार

गैशेमिस बालकस निश ज़ून शरमान
पंरी छा! हूर छा! अवतार इन्सान।
अंछन वुज़मल, ड्यकस चंदरम ब़ोसस गाह
यि वुछ्थुय काँ(३)मदीवस होश रावान॥

—·—

[नोट :— कामुदीव *Beauty Incarnate*]



وَنہٕ وُن

سُمی توٗری دیوٕ لیوٕ شاآلہٕ ناآرہٕ ہے تَرَو

بالہٕ کرٛشنَس کرَو پوشہٕ پوٗزاے

پوشہٕ پوٗزا کرِتھ لولہٕ شبدا پرَو - بالہٕ کرٛشنَس کرَو

پوشہٕ پوٗزاے

पोशि पूज़ा

(वनुवुन)

(बालुकृष्णस करव पोशि पूज़ा)

—o—

संम्यतंवी दीविॅयव शालुमार हयतरव
बालुकृष्णस करव
पोशि पूज़ा

पोशि पूज़ा कंरिथ लोलु शॅब्दाह परव
बालुकृष्णस करव
पोशि पूज़ा

—·—

(नोंट:— 1, ज़नानु — (2)— आवाज़, लफ़्ज़)

گُوکلَس ساری سِے زِتِنہٕ زُولہٕ کرَو

جایہ جایہ بہٕے کرَو

ژُندرمَس سال

ہیٚمیہ شہیہ بانسری لولہٕ تھالَن برَو

بالہٕ کرٛشنَس کرَو

پوشہٕ پوزا بے

— • —

مالہٕ لوٗگ گُشنَس ہیچھ بہُن مازرو

سانِہ نِے دِل تہٕ شَل

ازچھ خوشحال

گبوتہٕ لِج آبہ جوٗ بے۔ نژنہٕ لگی یمِ ترو

بالہٕ کرٛشنَس کرو

پوشہٕ پوزا بے

— • —

गूकलस सांर्यसुय ज़न्तु ज़ूलाह् करव
जायि जायि हय करव
च़ेन्दरमस सात
प्रेयमु स्रेहं बान्संरी लोलु थालन बरव
बालुकृष्णस करव
पोशि पूज़ा

—o—

मेलु लोंग गुलशनस[1] पथ ब्युहुन मा ज़रव[2]
सारिनुय दिल तु दिल
अज़ छि खोशहाल
ग्यवनि लंज आबु जोय, नच़नि लंग्य यिम सरव
बालुकृष्णस करव
पोशि पूज़ा

—.—

नोटः— (1) गुलज़ारस, (2) शेशव मा, बरदाश मा करव

اُلفیٚچ مۄرتھا یتھ شہرس گرو
لولہِ والبن دِلو
یتھ بُرِ ہاے
ماہہ ہوت اکھ قدم تُل تِہ۔ وِچھ ماہرو
بالہِ کرتھ شَنس کرو
پوشہِ پوٚزاے

حُسنہِ آکاشہ کنہِ لعل و گوہر جرو
تارِکن فاضِلا!
شولہِ پزاگاش
گوہین گوٚدھ وُنُن پانہِ از تراوِ نَو
بالہِ کرتھ شَنس کرو
پوشہِ پوٚزاے



उल्फतुच मूरथा यथ शौरीरस गरव
हृदयि वाल्यन दपव
यथ बंरिव माय
मायि हौंत अख कदम तुल चुवुह्‌मा मख
बालुकृष्णस करव
पोशि पूज़ा

———०———

हुसन, आकाशि किन्य लाल[1] गौहर[2] जरव
तारकन 'फ़ाज़िला'
शोलि प्रागाश
गूपियन गोंह्‌ वनुन पान अज़ त्रावि रव
बालुकृष्णस करव
पोशि पूज़ा

———

नोट :— (1-2 = लाल त जवाहिर)

تھنہ ژور

تھنی ژوریمیس گوبہ کھیتھ کرشنہ گوپالا
تس کھرنہ ڈیکس ڈرہ تہ دلس گوبنہ ملالا
ماتایہ ژرتے موصومہ ووٚنے لفظ ماکھن چور
اچھ یتھنہ لگی بالکا! چھکھ حسن کمالا

کرشن جی مہاراج ییلہ باشہ کران اوس سہ اوس ژرتھ وزہ تھنی کھیوان۔ یوٚد وینے ژرتھ ہیے تہ بیمیس تھنی نژ تہ کھیٹی تھ منز تہ اوسنہ وایہ کران۔ اتھی سبتی اوس یانہ تہ تھنی ہوٚ ادہ موکلتھ تیمیس ٹاٹھ نیاہ سو کھ تھنہ ژور یا ماکھن چور دوان۔ فاضل

थनि च़ूर

थंन्य च़ूरि यैमिस गोरि खेयथ
कृष्ण़ु गुपाला
तस खंच़ नु ड्यकस क्रुहतु दिलस
गव नु मलाला
मातायि च़ै मोसूमु वोंनुय
लफ़ज़ि मखन च़ूर
अंछ युथनु त्लगी बालका छुख
हुस्नि कमाला

—·—

नोट :— (1)- गोरि= गूर्यबायि, (2) क्रुह=शिकन, गेन्य
(3)- हुस्नि कमाल = Beauty Incarnate.

گُلالا!

گُلالا! دٕر اَیِل! گُپالنیٚ دٕرے چھےٚ
جَگرٕ چھَل جگرٕ چھَل! گُپالنیٚ دٕرے چھےٚ

ژٕ چھُے داغ سینس مےٚ دُکھ ہیوٚہ دِلَس چھُم
یہِ مُشکل ژٕ کرٕ حَل! گُپالنیٚ دٕرے چھےٚ

وۄنِج نارٕ بٔرِتھ ہمیش ژٕ لاگِتھ قبا چھُکھ
شُہِج زادِ راہ وَل! گُپالنیٚ دٕرے چھےٚ

ژٕ بیٚیہ مسوٚلَن منٛز ژٕ پادا سُمُت کر!
گِنِی اُلفتُچ کَل! گُپالنیٚ دٕرے چھےٚ

گُپالا! ییمَن سینہٕ دُدی آخ رٕودِکھ
تلکھ مٔل! تلکھ مٔل! گُپالنیٚ دٕرے چھےٚ

गुलाला

गुलाला ! ज़रा बल , गुपालुन्य द्रुय छ्य
जिगर छल, जिगर छल गुपालुन्यद्रुयछ्य

चे़ छुय दाग सीनस, मे दुख छुव दिलस छुस
यि मुशकिल च़्ु कर हल, गुपालुन्य द्रुय छ्य

ज़ुज नारु ब्रेह हिश च़ु लांगिथ कबा छुख
शिहिज च़ादुराह बल, गुपालुन्य द्रुय छ्य

च़ु बेह मसवलन मंज़, च़ु पांदा समुत कर
गनी उलफतुच कल, गुपालुन्य द्रुय छ्य

गुपाला! यिमन सीनु दौंद आरख रुदिख
तुलुख मल, तुलुख मल, गुपालुन्य द्रुय छ्य



ہے! اَنے چھ گژھان

ہے! اَنے چھ گژھان شولہ وہان۔ نارٕ ہیسٕہ نارٕ
ریہہ ژہیہ وٕنِس گرشنٕہ ژٕرے کُن
لارٕ ہیسٕہ لارٕ!

لاہوتہ پیٹھٕ زلہ چھ کران گُنزٕ کنگس طورٕ
آکاشہ پیٹھ گُٹس ریہ ژٕرے نَشس
جارٕ ہیسٕہ جارٕ

دِل پانٕہ بٕہ مان۔ کیاہ چھ دُئی۔ کتھ چھ ونان میر
یِم چانہ نٕہج رُکی تہ سپدُو
یارٕ ہیسٕہ یارٕ

فوٹ: لاہوت = تصوفٕک اکھ ژھوٚ مقام یتیتھ خۄدایہ سٕند رگہ گوٚنہ ... وار بہتھ گژھان۔

नय छे गछ़ान

हे नय छे, गछ़ान, शौलु वुहान, नार हसां नार !
रेह च़ेनुवुन्यन कृष्णु चेकुन
लार हसां लार !

लाहूतु प्यठुन्य ज़ुच़ छे करान कुनिर् कंगस तूर
आकाशि प्यठुक सिरियि च़े निश
जार हसां जार !

दित पानु क्रमान, क्या छे दुई, क़थछि वनान बैर
यिम चानि नेहेंज पंक्य तु सपद्य
यार हसां यार !

नोट:–
1. लाहूत = तसव्वुफक थोंद मकाम, 2. कोहि
कूर

گوپالہٕ پٕژکھ آہٕ پلس آب کرٕ کھ آب !
اکھ ژٕرہ تہٕ دوٕ وس ہٕو کھرِ لگان
وارٕ ہشہ وارٕ

زِ ہم چھانہٕ کلے پھٔٹ تہٕ چیٚپکھ وتھ تہٕ سپدو وتھ
تِم قُلزٕ مٔن تری تالہٕ مُوشکھ
تارٕ ہشہ تارٕ

دھن ہارٕ نُوزلاہ : کیٚہنہٕ ہمگرٕ مٔن چھ گنجک نیاس
یُس ہارِ ژرے بیتھ تٔس تہٕ کیٚنچ
ہارٕ ہشہ ہارٕ

ہارِتھ تہٕ زِلوٕ ئم کرِ کھٕنہٕ لوٕ بُم مٔن ہنے سرفراز [1]
اکھ پٕریکھ بیٚنچھ بیٚنٹھ ہنے گُندم
زارٕ ہشہ زارٕ

نوٹ :- ۱- سرفراز = پرسٕن - خوشحال - ۲ - نیاس = واسہ Entrance

गूपाल यक्कुख आर पलस आब करख आब
अख च़ुह तु दोदस होंखरिलगान
दार हसा दार !

यिम चानि कले फंस्य तु चेयख व्यथ तु सपद
तिम कुलजुमन तर्य तार मौशुख
तार हसा तार !

धन हार नोला, कँह नु मगर मन छु गंजुक न्यास
युस हारि छे पथ तस नु कुनिच
हार हसा हार !

हांरिथ ति ज्यूनुम कृष्णु लोंबुम मन मे सरफ़राज़
अथ प्रेयमु पेंजे प्यठ मे म्युंदुम
ज़ार हसा ज़ार !

नोट :- (१) सरफ़राज़ = प्रसन्न, खोश)

لچھ وائنسہٕ گرٕھتھ کرٕشنہٕ ژٕ بایکھ تہٕ ہٕکھ دِل
اُتھ زٕنمہٕ پھرس ژٕہیہٕ چھُ لگان
پہیارٕ ہٕسہٕ پیار

کُملاوُ ہناہ وُٹھ تہٕ گھیے پھرٕ تہٕ مےٚ کُن نین[1]
لیوٚد تیرِ نظرِ دِکھ تہٕ ڈپے
ہارٕ ہٕسہٕ مازٕ

کرٕشنا! مےٚ دِپتھم سوزٕ نٔتے زٕ مےٚ دِلس زُدی
چھس ووٚن شٔہُن ہیٹھ پتہٕ ونٕک ہوٚکھ
دارٕ ہٕسہٕ دارٕ

موٗ رلی چھ ندا۔ ہاتفو[2] لیے یشہٕ چھُ اکیک زٕرٕ
رُح بالہٕ کرٕشن فاضلیٔ ہیم
شارٕ ہٕسہٕ شارٕ

نوٹ:۔ ۱۔نین = اُچھ چشمہٕ ۲۔ ہاتف = غیبی آلو دِوُن سروٗش۔

वछ वांसु [illegible]छिथ कृष्ण च़ मा यिख तु मुहकमन
अथ ज़न्मु फिरिस त्युह छु लगान
प्यार हसा प्यार !

कुमलाव हना वुठ तु गहे फिर तु मे कुन नैन[1]
योंद तीरि नज़र दिख तु दपय
मार हसा मार !

कृष्णा: मे च्युतथम सोज़ नतय, नय म दिलस
जेव
छस दोन शहन प्यठ पथ वनुकं
हौंख दार हसा दार !

मोस्ती छु निदा हातफ़न्य[2] लय शह छु अम्युक
ज़ुव
रह बाल कृष्ण, "फ़ांज़िलुन्य यिम
शार हसा शार !

नोट:— (1)- नैन = अछ, (2) हातफ़ = गाब मंज़ आ-
-लव दिनवोल

نَے

کُس تام وَایان ! الکھ چھ وِپان نَے چھ وَزان نَے
گوُپالہ ثریٚہ یم ویدٚ چھ وپَان
نَے چھ بہانٚے

تصویرِ آتش خانہٕ مجازس چھُ ودان ڈول
مُنز نارہٕ برہن طورِ سنگہٕ
تو تہٕ وَزان نَے

نَے نغمہٕ شیرین مَن چھ برمان زُو چھ زوان کل
یتھ نغمہٕ پران معرفتک
شرِ یہ چھ بران نَے

نوٹ :-

۱- آتش خانہٕ = نار کھوڈ ۲- طورِ سنگہٕ = حضرت موسیٰ علیہ السلام سند کوہِ طور

नय़ँ

कुसताम वायान ! लुख छि वनान नय छे वज़ाननय
गूपालु च्रे यिम वैंथ छिदपान
नय छे वहानय

तसवीर आतशॅख़ानु[1] मजाज़स छु दिवान डोल
मंज़ नार ब्रेहन तूरु[2] संगर
तोति वज़ान नय

नय नग़मु शीरीं, मन छु ब्रमान जुवकु जुवानकल
यथ नग़मु परिथ मायिफतुक
श्रेह छे वरान नय

नोट :—
(1-नार खोड, 2-मूसासुंद कोहितूर)

تیتھ گیان حاصل سپد: تھوکھ زانی اندرمن
سوے زان ناوتھ او مه نه کنے
ھوچھ پران نے

زان سوز ونس زونگ چھ لگان ـ لام لگن لام
من وھنه لگان تاوھتن
شوله زھٹان نے

ون سوز گرھتھ روزنه ھٹه ـ زور ہیتھ لوب
تھی پانه تھلان واله نتورے
آسه گران نے

فاضل! شریک سانه کنے سوز مگه ہیون
گوپاله ! لوہے لوله ہتن
منز چھ سزان نے

نوٹ :- عا گیان = زان علم معرفت عا ھو = ایشور ـ واھیگورو ـ اللّٰہ ـ

त्युथ ग्यान हांसिल सपुदि थवख ज़ांन्य अंदरमन
बौंय ज़ान हांविथ ओइम तुकुनुय
'हू' छे प्रारान नय

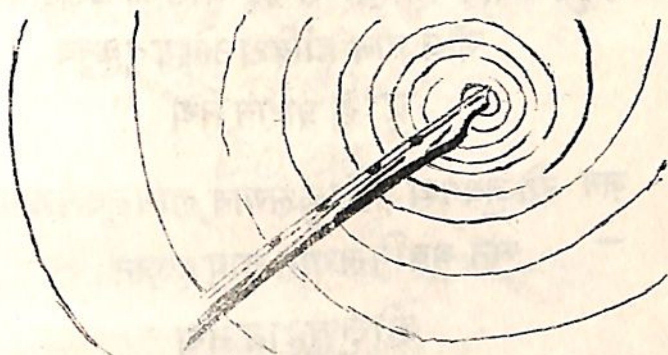
ज़न सोज़ुवनस ज़ौंग कुलगान, लास लुकन काम
— मन वुहनि लगान ताव हत्यन
शील वुहान नय

वन सूर गंछिथ रीज़ि हुंटा चूरिबिहिथ लौंब
तंथ्य पानु थलान वालि तवय
आसि ग्रज़ान नय

'फ़ांज़िल! शरीरुक साज़ कुनुय सोज़ मगर ब्यांन
गूपालु! यौहय लोलु हत्यन
मंज़ छे सज़ान नय

—·—

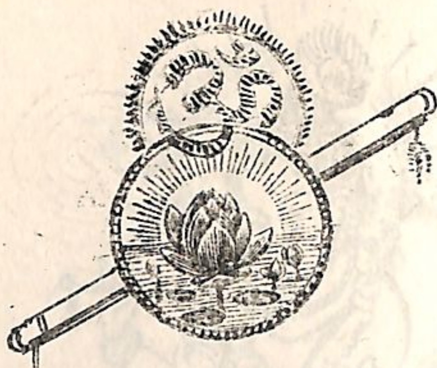
नोट:-
ग्यान = जानकारी, अक़्ल }
हू = ईश्वर, अल्लाह।



میٚژوٚنۍ

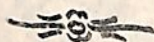
میٚژوٚنۍ[1] پٔرانہٕ وقتچ بانٛسری زان
بہانہٕ گوٚژھہٕ چھُن نۍ کُس چھُ وایان
شُرِیک سوٚر لافانی شہس تام[2]
شُہُک ماٚلِک کرِشن اوتارٕ انسان

نوٹ: ۱۔ میٚژوٚنۍ جسم خاکی ۲۔ شہس تام = آتمس تام یُس تہٕ کھالان وۅلا چھُ



मैचिव नय

मैचिव नय प्रानि बक्तुच बांसरीज़ान
वहानय, गोंक़ वुछुन, नय कुस छु वायान
शरीरुक सोज़ लाफांनी शाहस ताम
शुहुक मोंलिख कृष्ण अवतार इन्सान॥



नोट :— (1) नय = मोरली
(2) लाफांनी = अमर



کرِشنہٕ مورلی پیکرِ سوز و گُداز - دِلرُبا - دِل کش - موٚر دَ تےٚ دِلنواز

یےٚ اَمِچ عرفاں تہٕ شہہ قُدسی صفات - پانہٕ مُرلی دَر چھُہ سرتاپا مجاز

मौरली दर

कृष्ण मौरली पैकरे सोज़ो गुदाज़,
दिलरुबा, दिलकश मौदुर तय दिलनवाज़ ।
तय अमिच इरफान तु शाह कुदसी सिफात
पान् मौरलीदर छु सर ता पा मजाज़ ॥

नोट :—

(1). पैकर = कालिब, जिस्म - मुज्जसम
(2). कुदसी सिफात = रूहानी गोण थवनवोल
(3). मौरलीदर = मौरलीवोल, कृष्ण जी।

ییٚلہِ ییٚلہِ

یامتھ یہِ آدم دھرمہٕ دینک پْراٹھ یہِ سَمسار
گیتاچھ شاہد: کرشنہ گوپال سَپدِ نموٗدار
تَس سَپدِ بے دینَن ۔ اُدھرمَن تےٚ یَچھَن ستھی جنگ
میٚژ ۔ خاک سَپدن چھیکرس بے دین تہٕ خطا کار

— - —

यदा यदाहि

यामत यि आदम धर्मु दीनुक प्राटि यि समसार
गीता छे शांहिद, कृष्ण गूपाल सपदि नमूदार
तस सपदि बे दीनन, अधर्मन तय यछन सूत्य जंग
मेच़, खाक सपदन छेकरस बेदीन त, खता कार

— - —

بالک اور تھا

کرشنا! کرشنا!



यदा यदा हि धर्मस्य ग्लानिर्भवति भारत ।
अभ्युत्थानमधर्मस्य तदात्मानं सृजाम्यहम् ॥

یدا یدا ہِ دھرمسیہ گلانِربھوتِ بھارت
ابھیتھانم ادھرمسیہ تدات مانم سرجامیہم
(شریمد بھگوت گیتا)

ترجمہ:- ہے ارجن! جب جب دھرم (دین) زوال پذیر ہونے لگتا ہے اور ادھرم (بے دینی) زور پکڑتی ہے، تو میں اپنے آپ کو ظاہر کرتا ہوں۔



کرشن مُرلی

کرشن بانسرِ وایتھ ـ بُہ رتھ سیحر زَن اَتھ
پہ مستی تہٕ فرہاتھ ـ چھ زَن لوٗزوٗنی چیتھ
پہ سنگیت چیتھ آمے
کرشنا

وونی وائے ـ وونی وائے
پہ موٗرلی
ہوٗدر وائے ؛ کرشنا!
موٗرلی
ژٕ وونی وائے ـ وونی وائے
ژٕ زِگتس پہ سنے وائے
کرشنا! کرشنا!

कृष्ण बान्सरी ह्यथ



कृष्ण बांन्संरी ह्यथ
बंरिथ संहर् ज़न अथ
यि मंस्ती तु फ़रहथ
छि ज़न बोज़ुवुन्य चथ
यि संगीत चथ आय
कृष्णा !
वोन्य वाय- वोन्य वाय
यि मोरली
मोंदुर माय कृष्णा
यि मोरली
चु वोन्य वाय - चु वोन्य वाय
चु ज़गतस यि नय वाय
कृष्णा कृष्णा



دزان زن ژندن دار

یہ ئے زن منس نار ۔ دزان زن ژندن دار[1]
کران رح[2] چھ بیدار ۔ یہ یس لوگ سہ ہشیار
تمس کینہ نہ پرواے
کرشنا!
وہ ونی واے! وہ ونی واے!
یہ موہ رلی
گرشم[3] کراے کرشنا!
یہ موہ رلی
ژ وہ ونی واے! وہ ونی واے!
منس کینہہ نہ پرواے
کرشنا! کرشنا!

—.—

نوٹ :- ۱۔ دار = دوان ۲۔ رح = آتما ۳۔ گرشم = گرمی ۔
کرشن بھگوانس چھ ساریے ذاتہ (جاندار) آسہ تس کن والہانہ لارن تہ پانہ مامولوزان ۔

—.—

मनस नार हुशियार

यि लय ज़न मनस नार
दज़ान ज़न च़ंदन दार
करान दिल छे बेदार
यि यस लौग सु हुशियार
तमिस कैंह नु परवाय
कृष्णा!
वौन्य वाय- वौन्य वाय
यि मौरली
ग्रिश्म क्राय कृष्णा
यि मौरली
च़ु वौन्य वाय; वौन्य वाय
मनस कैंह नु परवाय
कृष्णा कृष्णा

—·—

नोट :- (1) दार = वन (2) रुह = आत्म (3) ग्रेश्म = गर्मी

ژکرہیس

ژےٓ لوزنگ ہیس ۔ دِوان الیشور یَس
تُسہ یوگس اندر مَس[2] ۔ کران شَشہجاتَس
تَمِس نِش ژِزرٕ وَزاے
کرٕشنا!
وو ہ ذی واے! وو ہ ذی واے
یہ موَرلی
چھ بُڈشاے[3] کرٕشنا!
یہ موَرلی
ژٕ وو ہ ذی واے! وو ہ ذی واے
ہیِسچ وَتھ چھ سیٔز ترٲے[4]
کرٕشنا! کرٕشنا!

نوٹ:۔ ۱۔ ژےٓ = نیہ ہِنز آواز، ترنُّم ۲۔ مَس = مَست = مگن۔
۳۔ شاے = وو ہ سید ۴۔ ترٲے = نِہج میلان۔

त्रु कर ह्यस

यि लय[1] बोज़ुनुक ह्यस
दिवान ईश्वर यस
सु यूगस अन्दर मस[2]
करान शशजहातस
तॅमिस निश रुज़र द्राय
कृष्णा।
वॊन्य वाय- वॊन्य वाय
यि मौरली
कॆ बंड शाय[3] कृष्णा
यि मौरली
त्रु वॊन्य वाय- वॊन्य वाय
ह्यसुच वथ कॆ सेज़ न्राय[4]
कृष्णा- कृष्णा

नोट :— (1) लय= नयिहुंज़आवाज़ (2) मस= मगन
(3) शाय =वौमेद (4) न्राय= नंहंज।

یہ سۓ پھیر گوشن

یہ ۓ پھیر گوشٕن[1] - تہٕ لُج لام پوشٕن
چھ بُلبُل تہٕ توشٕن - حقیقت چھ روشٕن
یہ موٚرلی چھ بے ژھاے
کرشنا!
دوٚنی واے - دوٚنی ناے
یہ موٚرلی
چھ یکتاے[2] کرشنا!
یہ موٚرلی
ژٕ دوٚنی واے، دوٚنی واے
یہ بے رنگ[3] بے ژھاے
کرشنا! کرشنا!

نوٹ:- ۱- گوشن = طرفاتن شسجہاتس - دہٕ جہاتس - ۲- یکتاے = سُمت کرن واجنیو - ۳- بے رنگ = Colourless - بے امتیاز -

---

यि लय फीर गोशान

यि लय फीर गोशान
तु लंज लाम पोशान
छि बुलबुल ति तोशान
हकीकत छे रोशान
यि मौरली छे बे ग़ाय
कृष्णा !
वौन्य वाय, वौन्य वाय
यि मौरली
छे यकताय कृष्णा
यि मौरली
चु वौन्य वाय- वौन्य वाय
यि बे रंग बे ग़ाय
कृष्णा कृष्णा !

—·—

नोट :- (1) गोशन = तरफातन (2) यकताय = समुत करन वाजन्य, (3) -बेरंग = Colourless बे इम्तियाज

دھرم کرمے تہٕ انسان

دھرم، کرمے تہٕ انسان ۔ سبٹھاہ پرتی سبٹھاجان
یہ سارٕی چھہ یانان ۔ چھہ منزِل سہ بھگوان
چھہ گیٖتا تہٕ ہمرا ے
کرشنا!

ووہ نی وا ے، ووہ نی وا ے
یہ موررلی
ژے پوٚز آے کرشنا!
یہ موررلی
ژٕ ووہ نی وا ے، ووہ نی وا ے
سمے سور ہمرا ے
کرشنا! کرشنا!

نوٹ :۔ ۱۔ دھرم = دین ۲۔ کرمے = کرتوت، عمل۔ ۳۔ آے = زیٹھ عمر۔ ۴۔ سمے = زمانہ، وقت، وَق، وخ ۵۔ سور = سورُے۔ تمام۔

धर्म-क्रय तु इन्सान

धर्म, क्रय तु इन्सान
स्यठा ह्त्य, स्यठा जान
यि सारी छि मानान
छु मंज़िल सु भगवान
छे गीता ति हमराय
कृष्णा !
वोन्य वाय- वोन्य वाय
यि मोरली
च़े पोंज़ आय कृष्णा
यि मोरली
च़ु वोन्य वाय वोन्य वाय
समय सोर हमराय
कृष्णा कृष्णा

नोट :— (1) धर्म = दीन (2) क्रय = करतूत,
(3) आय = ज़ीठ उमुर (4) - समय = वक़

ژٕ چھکھ ژُھنٔو !

ژٕ چُھکھ ژُھنٔو، ژٕ چھکھ ژُھنٔو - ژٕ چُھکھ ماژِچھ ہیُو ژُھنٔو
یہِ ژُھنٔو سۄرگٕہ کُنی آنی - نٔقش اتھ چھِ بنٔو بنٔو
چھُ کیوٗپڈ تہٕ سرسائے

کرٕشنا !

ووزٕ وائے، ووزٕ وائے

یہِ ہورلی
چھ سرائے کرٕشنا !

یہِ ہورلی

ژٕ ووزٕ وائے، ووزٕ وائے

حُسینن ژٕ دُبرائے

کرٕشنا کرٕشنا !

نوٹ :- ۱- سورگ = جنت ۲- کیوٗپڈ (Cupid) = God of Beauty
۳- سرسائے = ناچیز (Insignificant)، ۴- سرائے = Sensation

चु छुक थंन्य

चु छुख मांछ ह्युव थंन्य
यि थंन्य सोरग केन्य अंन्य
नकुश अथ छि बेन्य बेन्य
हुसुन चोन खेन्य खेन्य
छु क्यूपिड तु सिरसाय
कृष्णा!
वौन्य वाय-वौन्य वाय
यि मौरली
छे ससराय कृष्णा
यि मौरली
चु वौन्य वाय वौन्य वाय
हंसीनन चु दुबराय
कृष्णा कृष्णा।

नोट :- (1) स्वर्ग=जनत, (2) cupid=काम देव
(3)- सिरसाय=ना चीज़ (4) ससराय=Sensation

پَشَن ہُنز حِفاظت

حِفاظت پَشَن ہُنز ۔ چھہ وَتھ موٗسلن ہُنز
گۆہے موٗسہَن ہُنز ۔ گۆہے عیٖسہَن ہُنز
گُپالا اَژِٕ تھزِ جاے
کرٛشنا!

وۄنی واے، وۄنی واے

یہ موٗرلی
دلچ جاے کرٛشنا!
یہ موٗرلی

ژٕ وۄنی واے، وۄنی واے
ژےٚ نِش ییم سُمتھ آے
کرٛشنا کرٛشنا!

نوٹ:۔ ۱۔ پۄش = حیوان، چار ووی ۲۔ مُرسل = موٗسلس چھ پیغمبرَس نِش کھوتہٕ تھوٚد درجہ آسان۔ حضرتِ موسیٰؑ، حضرتِ ابراہیمؑ، حضرتِ عیسیٰؑ بیٚیر چھ موٗسل۔

पशन हुंज़ ह्यफ़ाज़त

ह्यफ़ाज़त पशान हुंज़
छे कथ मोरसलन हुंज़
गहे मूसुहन हुंज़
गहे ईसुहन हुंज़
गुपाला चे थंज़ जाय
कृष्णा !
वोन्य वाय-वोन्य वाय
यि मोरली
दिलुच जाय कृष्णा
यि मोरली
चु वोन्य वाय-वोन्य वाय
चे निश्चा संमिथ यिम आय
कृष्णा-कृष्णा ।

—·—

नोट :- (१) पोश = हयवान (२) मोरसल = दरजस मंज़





کُنی ہٕنٛدی مُسلمان

نٮ۪ئے چھ یکسان ۔ کُنی ہٕنٛدی مُسلمان

چُھ رحمان: بھگوان ۔ چھُ بھگوان: رحمان

دُیٔی ہٕنٛز نہٕ کہنہٕ زاے

کرٛشنا

وو زواے، وو زواے

یہ مورلی

چھ بے نیاے کرٛشنا!

یہ مورلی

ژٕ وو زواے، وو زواے

چھُ یکسان بے نیاے

کرٛشنا کرٛشنا!

छे यकसान यकसान

नये लय छेयकसान
कुनी हॆन्द्य मुसलमान
छु रहमान भगवान
छु भगवान रहमान
दुई हुंज़ नु कांह राय
कृष्णा!
वॊन्य वाय वॊन्य वाय
यि मॊरली
छे बे न्याय
यि मॊरली
नु वॊन्य वाय वॊन्य वाय
छु यकसान बे न्याय
कृष्णा कृष्णा

नोटः- १.दुई = बैर (२) बेन्याय = न्यायि वरांय

ژےپیاراں برستل

ژےپیاراں برستل ! ۔ چھ ہیتھ موہ سنٛز چھل[2]
عسیس : نوٗر ہنقل ۔ یہ رادھا[1] : یہ وزہل
کراں چھے ژیٛنے پوٗزاے
کرشنا !
ووہ نی واے ووہ نی واے
یہ ہوٗرلی
چھ پٔژھی باے کرشنا !
یہ ہورلی
ژہ ووہ نی واے ووہ نی واے
دِلس مالگبس گرا[3]ے
کرشنا کرشنا !

نوٹ :۔ ۱۔ رادھا = کرشن مہاراجہ سنٛز آشنٛی ۔ ۲۔ موہ سنٛز چھل = موہ چھل
۳۔ گرائے لگنی = اوزرد گرژھن ۔ سلالہ گرژھن ۔ سلالہ محسوس کرن ۔

बरस तल बरस तल

चे प्रारान बरस तल
छे ह्यथ मोर् सुंज़ छल
हसीन नूर् मन्कल
यि राधा यि वुज़मल
करान छय चे पूज़ाय
कृष्णा!
वौन्य वाय वौन्य वाय
यि मौरली
छे पंछ्यथ वाय कृष्णा
यि मौरली
चे वौन्य वाय वौन्य वाय
दिलस मा लग्यस ग्राय
कृष्णा कृष्णा

नोट :— (१) राधा = कृष्ण जियिन्य दासी
(२) ग्राय लगुन्य = ओज़ुर्द गछुन।



ژٕ چھکھ وِیر[1] ارجن - یُگَس[2] منز ژٕ چھکھ کُن[3]

پہ اُپدیش[4] بانٛن اَہنکارٕ[5] اوگُن[6]

نہ اَتھ سَر نہ اتھ پایہ

کرشنا!

ووٗنی وٲے، ووٗنی وٲے

یہ موٗرلی

پہ رُت وٲے کرشنا!

یہ موٗرلی

ژٕ ووٗنی وٲے ووٗنی وٲے

دِلٕکٕن اُرٹ یُہے ژاے

کرشنا کرشنا!

نوٹ:- ۱- ویر = بۆہدور ۲- یُگ = جُگ زمانہ ۳- کُن = بے مثال -
۴- اُپدیش = نصیحت ۵- اہنکار = غرور ۶- اوگُن = یُچھ صفت -

नु कुख वीर

नु कुख वीर अर्जुन
यौगस मंज़ नु कुख कुन
यि वौपदेश मानुन
अहंकार अवगौन
न अथ सर न अथ पाय
कृष्णा!
वौन्य वाय वौन्य वाय
यि मौरली
यि पोंज़ दाय कृष्णा
यि मौरली
नु वौन्य वाय वौन्य वाय
दिलन रंट यिहय त्राय
कृष्णा कृष्णा

नोट :— (1) वीर = बहादुर (2) युग = ज़मानु (3) कुन = बेमिसाल (4) उपदेश = नसीहत (5) अवगुण = बद सिफत।

کرشن جی ژٕنے چھےٚ جےٚ

کرشن جی ژٕنے چھےٚ جےٚ ۔ کُنےٚ شُرٕ کُنےٚ پےٚ
کُنٕی نےٚ، کُنٕی لےٚ ۔ پتھی وہ یژھان وٕے
پیٚمٕے گوٚن ژٕنے لش ڈرٲے
کرشنا!
وٕہ ذٕ وٲے، وٕہ ذٕ وٲے

یہ موٗرلی
ژٕنے لش ذٕرٲے کرشنا!
یہ موٗرلی
ژٕ وٕہ ذٕ وٲے، وٕہ ذٕ وٲے
ژٕے جےٚ جےٚ ژٕنے لوٗگ آے
کرشنا کرشنا!

نوٹ:۔ ۱۔ شےٚ = ٹیوٗن ۔ ۲۔ جےٚ = فتح ۳۔ گوٚن = صفت ۔

—•—

अमरजाय

कृष्ण जी ज़े कुय जय
कुनय शाह कुनुय पय
कुनी नय, कुनी लय
यिथी विह्य यछान द्य
यिमय गीन ज़े निश द्राय
कृष्णा।
वौन्य वाय वौन्य वाय
यि मौरली
ज़े निश ज़ाय कृष्णा
यि मौरली
ज़, वौन्य वाय वौन्य वाय
जय जय ज़े लोग आय
कृष्णा कृष्णा

———

موٗرلی

گُلن ہُند ترنُّم ـ تھٔرِن ہُند تکلُّمؔ

چھ موٗرلی ہوٗد رٕ ہیوٗٹھ اِظہار

دٔرن شُبُمک جھلترنگ تارٕ کُن ہُند

سَراپا بہ موٗرلی چھ سیتار سیتار

دٕلچ پوشونی لے ہنج زندٕ آواز

چھ وۄتلان پوٗشیدہ اَسرار اَسرار

شُہن منز شرنیچھ قُلزمچ رازداری

ہنج پریتھ ہنج سادٕ گُفتار گُفتار

نوٹ:۔ ۱۔ ترنُّم = سور تال۔ ۲۔ سراپا = ہیر بون

۳۔ اسرار = سِرُک صیغہٕ جمع ۴۔ تکلُّم = کلام۔ کلامہ

۵۔ اظہار = بیان، ظاہر کرُن ۶۔ شرنیچھ = جاذبیت۔

۷۔ قُلزم = سمندر سوٗدر۔

मोरली

गुलन हुंद तरनुम, थरयन हुंद तकल्लुम
छु मोरली मोंदुर म्यूठ इज़हार इज़हार

वज़ुन शबनमुक जलतरंग तारकन हुन्द
सरापा यि मोरली छे सेतार सेतार

दिलुच पोशि वुन्य लय रुहुच ज़िंदु आवाज़
छि वोतलान पूशीदु असरार असरार

शहन मंज़ श्रोपिथ कुलज़मुच राज़दारी
नंहंज हर नंहंज सादु गुफ़्तार गुफ़्तार

नोट :— तरनुम = सुर ताल
तकल्लुम = कलाम, सरापा = हैरि बोन
असरार = सिर ; कुलज़ुम = सागर



تھنہٕ ژوٗر

گیو۔ دۄد تہٕ گُرُس کیازِ ژٔرے اَندٕیشہ گرِتھ چوٗرتھ
بَھگوانہٕ! یُہُنٛد باگہٕ بوٗرُت شیٛہجارہ لُکَن دۄت
زوٗ مَنگتہٕ جِگرہ مَنگتہٕ ژٕ لٕرح مَنگتہٕ دِل و جان
موصوٗمہ لگےٚ کیازِ اسی ژوٗرِ مَکھَن کھیوٗتھ

نوٹ:۔ اندیشہ گرِتھ = کھوٗشہِ کھوٗژی ۲۔ لرح = آتما ۳۔ مکھن = تھنوٗ۔



थनि नूर

ग्यव दोद तु गुरुस, क्याज़ि चे अंदेशि कॅरिथ
चोय
भवानु! युहुंद बागि बोंरुस शोंहजार लूकन
वोंत
ज़ुव मंगतु जिगर मंगतु चु रूह मंगतु दिला
जान
मासूमु! लगय क्याज़ि असी नूरि मख़्ज़न
स्योत

———

کرٛشن جی



رادھایہ وُنوشاہہ گٹن ژھایہ کرٛشن جی
درشن چھ دوان پانہٕ ییتھ ترایہ کرٛشن جی
تھٔنز نقشہٕ بنتھ گاشہٕ بتھس غازہٕ برٛمن گو !
لولس تہٕ دِلس سرتیہ چھُ سرمایہ کرٛشن جی
ییتھ جایہ لگن مایہ لوٗرٔت سرٛہیہ تہٕ سمٔت غوٗر
صُلحچ چھ وزان لَے تہٕ چھُ تتھی جایہ کرٛشن جی
ییتھ کرٛایہ پھسر نارٕ ترٛزر، ترٛیشہٕ ہتین لوٗگ
تتھ کرٛایہ چھ گنگا تہٕ شُہل سایہ کرٛشن جی
فاضل! چھُ تمِس باگہٕ تھٔزر، لانہٕ سبزرٕ تس
یُس ہرٛیمہ لوٗرٔت تیرِ نظر لایہ کرٛشن جی

राधाये वंनव

राधायि वंनिव शामु गटन छ़ायि कृष्णजी
दर्शुन छु दिवान पानु कम्यू त्रायि कृष्णजी

थंन्य नकशि वंनिथ, गाशि बुथिस गाज़ब्रमन-गव
तोलस तु दिलस सिरिये छु सरमायि कृष्णजी

यथ जायि लुकन सायि ओंरुत सेहत तु ससुत-खोत
सुलहुच छे वज़ार्न नय तु तथ्य जायि कृष्णजी

यथ क्रायि फुसर, नारतचर त्रेशि हत्यन लोंग
तथ क्रायि छे गंगा तु शहुल सायि कृष्णजी

'फ़ांज़िल' छु तंमिस वागि थज़र लानि स्थज़र तस
यस तीरि नज़र प्रेयमु ओंरुत लायि कृष्णजी।

नोट :- (१)- त्रायि = नेहजि (२)- गाज़ = पौडर
(३)- ख्रच = सरमायि।

کرٛشن جی

گُلَن ہُند سُمٕرٕت پھاٹھلاوان کرٛشن جی
عجب گُلِستانہٕ بنَاوان کرٛشن جی

یِمَن آیہ ٹیٖچ تہٕ پزٕرٕچ ولَس چھِہ
تِمَن امرٕتٕکی پیالہٕ چاوان کرٛشن جی

کِرِستانی۔ پارسی تہٕ ہندی۔ مُسلمان
نَظَر کُنہِ یِمَن بیٚھ چھ ترٛاوان کرٛشن جی

دوٚدس شیکرَس مَنٛز بیشارٕ تفاوُت
ہمِشہٕ آونٕگ چھُے رلاوان کرٛشن جی

कृष्ण जी

गुलन हुंद समुत फांफुलावान कृष्णजी
अजब गुलिस्ताना बनावान कृष्ण जी

यिमन आसि प्रॅयमुच तु पज़ुरुच दिलसॖखिह
तिमन अमरथ्यतुक्य प्यालु चावान कृष्णजी

किरस्तांन्य, पारस्य तु हेन्द्य सिख मुसलमान
नज़र कुन्य यिमन प्यठ छु त्रावान कृष्णजी

दॖ... शेकरस मंज़ इशारा तफावथ
हिशार आदनुक छुय रलावान कृष्ण जी

नोट :— ॥ लाफ़ांनी = अमर ॥ सोज़ = जलन

گوپیٚ ہُند زَہر۔ تغرٕنچھ ژٕھیٚٹ آلیٚس
چھُہ مورٕلی بجاوِتھ ہٹاوان کرِشن جیا

دِلَس مَنٛز تھَرَر چھُس تہٕ مورٕلی اَتھ چھُس
رَلَن یِم ہنٛد زَنٛہہ۔ تِم رَلاوان کرِشن جیا

یہ مَتھرا۔ یہ جمنا۔ یہ گنگا۔ یہ بُڈھا
سَمے گو مگر تو تہٕ گاران کرِشن جیا

سِیاہ ہردہ والیو تمس نِش شوزرہ لوٚب
کھوٚڈس کمیا چھے بناوان کرِشن جیا

بران لول گوپی تمِس شوژِ شانے
تمِن مَنٛز چھُہ وہ دِین گزاران کرِشن جیا

दुई हुंद ज़हर- तफरुकुच छ़ेट अलायिश
छु मुरली बजांविथ मिटावान कृष्ण जी

दिलस मंज़ थज़र छु तु मुरली असर बुस
रलन यिम नु ज़ांह तिम रलावान कृष्ण जी

यि मथरा, यि जमना, यि गंगा, यि राधा
समय गव मगर तोति गारान कृष्ण जी

सियाह् हृदयि वाल्यव तमिस निश शोज़रलौव
खोंटिस कीमिया हुय बनावान कृष्ण जी

बरान लोल गूपी तमिस श्रोच़ि शाने
तिमन मंज़ छु दोह् च्यन गुज़ारान कृष्णजी

—·—

یِمِس آسہ وَس زٲجمِژ لولہِ نارَن
بِلا شَک تِمِس پرٕزٕناوان کرٛشن جی

لَچھِس حُب وَچھِس منٛز چھُ تَس شولہِ ناوان
بیابانٕ ذٔرِس چھُے بناوان کرٛشن جی

یِمَو پوشِ پیرِنی گنٛتھ کرِس سِرٕ پانَس
تِمَن چھُے پننٕ جلوٕ ہاوان کرٛشن جی

ہَنج رٲستی نَظر پوٗز آینٕ ہاوان
کرٛشن جی سُدامان یُسٕ دامالہ کرٛشن جی

تُنٛدہ شرٛیہہ پیشَن۔ وِڈوٕنَن۔ وحشیَن تام
ژھیناہ چھا تِمِن یِم چھُ پالان کرٛشن جی

येमिस आसि वस ज़ांजमुच़ लोलु नारन
बिलाशक तंमिस परज़ुनावान कृष्ण जी

लकुस हुव वकुस मंज़ छु तस शोलुनावान
बयाबान ज़रस छुय वनावान कृष्ण जी

यिमव पोम्परुन्य गथकंरुम सिरियि पानस
तिमन छुय पनुन जलवु हावान कृष्ण जी

मनुच रांस्ती नज़रि पोंज़ आंनु हावान
कृष्ण जी सुदामा, सुदामा कृष्ण जी

तसुंद सेह पशान वुडवुन्यन वेहशियन ताम
छुयनाह क्या तिमन यिम छु पालान कृष्ण
जी

——

خونخوار حسد غوشخار خشمہ ہوت۔ نار ژاپان

چھ زگتک زگت ووُنی ژنے پیاران کرشن جی

یمن تاپہ کرالو چھ ہیژ شوہ کرمژ

تمن سیکہ لبن پیٹھ چھ باران کرشن جی

یمن کنہہ نہ آسان۔ یمن دل پریشان

تمن ہیکسن ہند چھ ساہان کرشن جی

چھلتھ ژھن یمو کام۔ کرود۔ موہ۔ اہنکار

پوہتر تمن جان جانان کرشن جی

یہ شغنی ہیو مجسم چھ حسنک جمالک

چھ فاضل ولس منز بساوان کرشن جی

हसद खूंखार, खशम्, होत, नार त्रापान
छु ज़गतुक ज़गत वोन्य च़े प्रारान कृष्णजी

यिम्नव ताप् क्रायव छे मेच़ शोर् कंरमुच़
तिम्नन सेकिल्यन प्यठ छु बारान कृष्णजी

यिम्नन कांह नु आसान, यिम्नन दिल परेशान
तिम्नन बेकसन हुंद छु सामान कृष्ण जी

छेलिथ छुन यिम्नव काम, क्रूध, मोह अहंकार
पवितर तिम्नन जानि जानान कृष्ण जी

यि थंन्य ह्युव मुज्जस्सम छु हुस्नक जमाल
छु 'फ़ांज़िल' दिलस मंज़ बसावान कृष्ण जी

—·—



بالک اوستھا

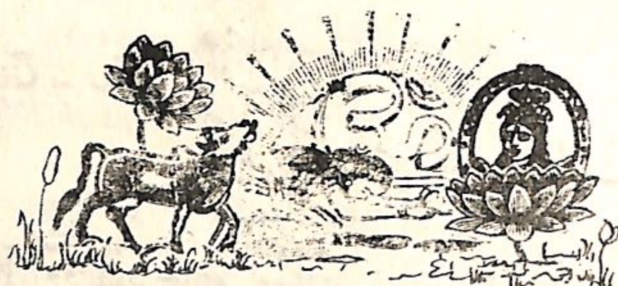
बालक अवस्था

مےٚ چھا اِنکار ماتا! کیازِ پٕرٕ ہتھم
مےٚ یَے گوٗی گاو ماتا ستیٖ ہر دَم

دوٚپتھ دوٗد ماسہ چوٚتھم ژٕرٕ ژٕرے
ہتےٚ! پوٚز لوٚزتےٚ ملرے تہٕ لُرے

دوٗدکی ژٕڈی چیٚتھ تہٕ رٕژِم کَل مےٚ اتھکُن
لوٚ ہے گوٗٹھانہٕ دوٚتھم بھگوانہٕ سند دِین

پَنٕہٕ گو سرےٚ چھا پوٚشید روزان!
کرشُن پوٚز ونہٕ چھا زٕنہ کانسہ کھوژان؟



बालक अवस्था

मैं छा इनकार, माता! क्याज़ि प्रुछ़थम
मैं लय गोय गांव मातायिसूत्य हरदम

दोंपुथ दोद मा सां चोथम चूरि चूरे
हतय पोंज़ बोज़तय मलरे तु टूरे

दों दुक्य च़ंड्य चथ ति रूज़म कल मे अथ-कुन
योहय गव ठानु वोंथ भगवानु सुंद ध्युन

पज़र गव सिरियि छा पूशीदु रोज़ान
कृष्ण पोंज़ वनतु छा ज़ांह कांसि खोचान

—·—

نٔج پزٕرٕچ بہٕ روزان وٲنٛسہٕ پابٔنٛد
لوکٕٹ بالک اَمی کورٕمت عقلمنٛد

بہٕ دَھرتی گاو ماتا بیٖٹھ چھہٕ توشان
دِوان دود تھٕنی کرٕشن اَخِر بناوان

کھیوان تھٕنی امرِتکی نٔٹ دامہٕ چاوان
اَمِس جگ ایشوَر پدوی چھُہ دِیاوان

کرٛشن اَکھ بالکا پزٕرک مُجسَم
فخر زٕگتس یوٗہے اَوتار ـــ آدَم

کرٛشن بترٛاہ پیٖٹھ صُلحٕچ علامَت
یوٗہے اَکھ پوشٕنی اَمنٕچ کرامَت

نوٹ :- ۱۔ دَھرتی = زٔمین
۲۔ پدوی = پدٕ۔ عُہدٕ یا اوٗہدٕ۔

नेहंज पज़रुच न रोज़ान वांसि पावंद
लोकुट बालुक अम कोरमुत अकलमंद

यि धरती गांव माता प्यठ छे तोशान
दिवान दोद, थंन्य, कृष्णा ऑखुर बनान

रूयवान थंन्य, अमरूथतुक्य नंद्यदामु-चावान
अंमिस जग ईश्वर पदवी छु द्यावान ॥

कृष्ण अख बालुका पज़रुक मुज्जसुम
आखुर ज़गतस योहय अवतार आदम

कृष्ण बुतरांच़ प्यठ सुलहुच करामत
योहय अख पोशिवुन्य अमनुच अलामत

नोट :—
1. धरती = ज़मीन, बुतराथ
2. पदवी = हुदु , ओहद

—·—

کرٛشن گو یس چھ ہو آلی منٛز سہ الہامؔ [١]
یٖمیُک اکھ اکھ صدا کَن چھُ پیغام

کرٛشن گو ظلمہ الوانَن سو گٹہٕ
یٖمیُک دُسی لابہ اپرٕس تالہ تٔرٛہ کرٛاے

کرٛشن پُرکیف آلو سوزٕ و سازُک
کرٛشن سرچشمہؔ [٢] اکھ نازُک نیازُک

کرٛشن گو مقصدُک نزدیک منٛزل
اُمس نٔش سارِنے حاصِل گُنے دِل

کرٛشن گو دوٚن سُمت گرٛزھنک سمندر
اوٚنتھ وانتھ بنان پٔرٛتھ قطرِ ساگرؔ [٣]

نوٹ:- ١- الہام = سو کتھ یوسہ دَیہ سِند طرفہٕ دِلس وِہماغس منٛز واتہٕ -
٢- سَرچشمہ = آگُر ٣- ساگر = سمنٛدر -

कृष्ण गव यस छु मौरली मंज़ सु इलहाम
येम्युक अख अख सदा लूकन छु पाँगाम

कृष्ण गव ज़ुलमु अयवानन सौ गगुराय
येम्युक दंसलाब अपज़िस तालि तंबक्राय

कृष्ण पुरकाफ़ आलव सोज़ु साज़ुक
कृष्ण सरचशमु अख नाज़ो नियाज़ुक

कृष्ण गव मकसदुक नज़दीक मंज़िल
अमिस निश सारिनुय हासिल कुनुय दिल

कृष्ण गव दोन समुत गछनुक समन्दर
योतथ वातिथ बनान हर कतुर सागर

नोट:—१. इलहाम = सोकथ योस दयि सुन्दि
तरफ़ु दिलस मंज़ वाति
२. सरचशमु = आगुर।

—।—

کرٛشن گو نبضِ ہستی جانِ عالَم
تِمس بیٚنِو سُنٛد اَلَم باسان پُنٕن غم

کرٛشن گو یکدِلی ہُند اکھ سہ آگُر
وِزان یتھ نِش چھُ مَدھ ہوٚت تال تےٚ سُر

کرٛشن گیتاہِ ہُند گٕہ تےٚ ہیٚنٛج آش
گٹَن تارٕ یکین مٔنٛز سِرِیہٕ پرٛاکاش

کرٛشن گو اکھ پوٚہنٛز رُوپ پرٛیمُک
تصوّرٕ: دِلُربا سوٚ نٕدٕلہ شرٛیُمک

کرٛشن گو زلزلہٕ کرُودس تہٕ کامس[۱][۲]
سہ خالِص سوٚن کرٛان کمہ ماےٚ ترٛامس

نوٹ:- ۱۔ کرُود = دُکھ، غوصہ، شرارت، استعمال۔
۲۔ کام = شہوآنہ خاہش (SEX) سیکس۔

कृष्ण गव नबज़ि हंसती जानि आलस
तंमिस वेयसुंद अलस[1] बासान पनुन ग़म

कृष्ण गव यकदिली हुंद अख सु आगुर
वुज़ान यथ निश छु मदमोंत तालतय सुर

कृष्ण गीतायि हुंद गाह तय मनुच आश
गटन्न तारीकियन मंज़ सिरिवि प्रगाश

कृष्ण गव अख पवितुर रूप प्रेयमुक
तस्सवुर दिलरुबा सोंदर शरीरुक

कृष्णं गव ज़लज़ला क्रूधस[2] तु कामस[3]
सु खांलिस सौन करान कम माधि त्रामस

नोट :—(१) अलस = ग़ांम (२) काम = शहवांनी, खांहिश
(३) - क्रूध = ख़श, शरारत

— · —

کرشن ہرِدِچ چھُ پزٕ آیئنہٕ دآرِ ی

اَہنکارَس بناوان اِنکسآرِ ی

کرشن گو تھزٕ۔ دوٕدِچ ہالےٚ شُہل تریہہ

مُوہِس لوبس کُنی بریہہ۔ زالوٕنی ریہہ

کرشن گو پوشوٕن گنگایہٕ ہندٕ جل

چھلان ہیندِس مُسلمانس دِلک مل

کرشن گو فِکرِ تارن وآنسہٕ ہندٕ ویٹہٕ

سُہ چھا اکُو سُند؟ سُہ گو پرتھ کانٕسہٕ ہندٕ ویٹہٕ

کرشن گو آتما سَت آتما بس!

تمس سوٕرےٚ چھُہ حاصل دِیہٕ گو یس!

نوٹ:۔ ۱۔ دِل ۲۔ غرور ۳۔ سوٕرے ہیوٗنے۔ ۴۔ طمع۔
۵۔ جاداد ۶۔ مہربان۔ ۷۔ رُح۔جان ۸۔ پرتھ سَمیہ حقیقت

कृष्ण हृदयुच छु पंज़ आँइन दांरी
अहंकारस बनावान छुन्कुसांरी

कृष्ण गव थंन्य, दौदुच मालय, शुहुल स्नेह
मुहस लूबस कुनी ब्रेह, ज़ालुवन्य रेह

कृष्ण गव पोशिवुन गंगायि हुंद जल
छलान हेंदिस मुसलमानस दिलुक मल

कृष्ण गव फिकिरि तारुन वाँसि हुंद न्युच
सु छा अंक्यसुंद सु गव प्रथकाँसि हुंद न्युच

कृष्ण गव आत्मा सत आत्मा बस
तंमिस सोरुय छु हांसिल दंययि गव यस

नोट:—(१) अहंकार = किबुर, (२) मोह = फ़नुन तुफ़्हद
(३) लूभ = लालुच, (४) जल = पोन्य, आब

Krishna Leela



बालक अवस्था

BALAK AWASTHA

—·—

Can be had from :-

FAZIL KASHMIRI R/o. DAB TAL, SRINAGAR-2 ; KASHMIR.

Pin